Shri Chidambaraa Ashtakam

श्रीचिदम्बराष्टकम् २

Document Information

Text title : Shri Chidambaraa Ashtakam 02 35

File name : chidambarAShTakam2.itx

Category : shiva, aShTaka

Location : doc_shiva

Proofread by : Aruna Narayanan

Description/comments : From stotrArNavaH 02-35

Latest update : July 25, 2021

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

July 25, 2021

sanskritdocuments.org

श्रीचिदम्बराष्टकम् २

(सप्तैव श्लोकाः मातृकायां सन्ति)
चित्तजान्तकं चित्स्वरूपिणं चन्द्रमृगधरं चर्मप्रिय(चर्मभी)करम् ।
चतुरभाषणं चिन्मयं गुरुं भज चिदम्बरं भावनास्थितम् ॥ १॥

दक्षमर्दनं दैवशासनं द्विजहिते रतं दोषभञ्जनम् ।
दुःखनाशनं दुरितशासनं भज चिदम्बरं भावनास्थितम् ॥ २॥

बद्धपञ्चकं बहुलशोभितं बुधवरैर्नुतं भस्मभूषितम् ।
भावयुक्स्तुतं बन्धुभिः स्तुतं भज चिदम्बरं भावनास्थितम् ॥ ३॥

दीनतत्परं दिव्यवचनदं दी(र)क्षितापदं दिव्यतेजसम् ।
दीर्घशोभितं देहतत्त्वदं भज चिदम्बरं भावनास्थितम् ॥ ४॥

क्षितितलोद्भवं क्षेमसम्भवं क्षीणमानवं क्षिप्रसद्यवम् ।
क्षेमदात्रवं क्षेत्रगौरवं भज चिदम्बरं भावनास्थितम् ॥ ५॥

तक्षभूषणं तत्त्वसाक्षिणं यक्षसागणं भिक्षुरूपिणम् ।
भस्मपोषणं व्यक्तरूपिणं भज चिदम्बरं भावनास्थितम् ॥ ६॥

यस्तु जापिकं चिदम्बराष्टकं पठति नित्यकं पापहं सुखम् ।
कठिनतारकं घटकुलाधिकं भज चिदम्बरं भावनास्थितम् ॥ ७॥

॥ इति श्रीचिदम्बराष्टकं सम्पूर्णम् ॥

Proofread by Aruna Narayanan

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*